विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 2 से 8 मई 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 45 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

किसी भी परिवार का प्रेम ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होता है. इतना ही नहीं तो जब प्रेम रहता है तो उस परिवार को कितनी भी बड़ी मुसीबत क्यों नहीं हो, वह छू नहीं सकती है. हर परिवार में एक समझदार होता है, उसका साथ देने से ही घर संवरता है. लेकिन आज के दौर में जो समझदार है, उससे अपेक्षा सभी करते हैं लेकिन बारी जब साथ देने की आती है तो उसे गंभीरता से नहीं लेते हैं. इसलिए परिवार को प्रेम देकर मजबूत करना चाहिए.

पहले,दूसरे चरण में 66 फीसदी मतदान

लोकसभा चुनाव,चुनाव आयोग ने जारी किया डेटा, 2019 की तुलना में कम वोटिंग

विदर्भ स्वाभिमान,1 मई

नई दिल्ली/मुंबई : सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनावों के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण में 66.14 और 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 66.71 फीसदी मतदान हुआ था. चुनाव आयोग ने इतने दिनों बाद दोनों चरणों में हुए मतदान के लिए 30 अप्रैल को अब आंकड़े जारी किए हैं. हालांकि, अभी तक दो चरणों के लिए हुआ मतदान 2019 के मुकाबले कम रहा. चुनाव आयोग ने बताया कि वैसे तो दोनों ही चरणों के लिए हुए मतदान में महिलाओं ने कम वोट डाली. आंकड़ों पर नजर डालें तो फेज-1 में 66.22 फीसदी

पुरुष, 66.07 प्रतिशत महिला और 31.32 फीसदी थर्ड जेंडर ने वोट डाले. इसी तरह से दूसरे चरण के लिए 66.99 फीसदी पुरुष, 66.42 महिला और 23.86 फीसदी थर्ड जेंडर ने वोट डाले.भले ही दोनों चरणों में महिलाओं ने वोट कम डाले हों, लेकिन पहले चरण में 102 लोकसभा सीटों पर 43 सीट ऐसी रहीं, जहां महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले अधिक मतदान किया. इनमें अरुणाचल प्रदेश,असम, बिहार की एक सीट जमुई, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश की एक सीट बालाघाट, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश की एक सीट नगीना, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की 43 सीटों पर महिलाओं ने अधिक वोट डाले.इसी तरह से दूसरे चरण के लिए हुए मतदान में सबसे अधिक वोट के मामले में टॉप-3 राज्यों में मणिपुर, असम और त्रिपुरा रहे. सबसे कम वोट उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार में पड़ी. यहां क्रमशः 55.19, 58.59 और 59.45 फीसदी मतदान हुआ.13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान में इस चरण में भी ओवरऑल महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले कम वोट डाले. लेकिन इन सीटों पर मतदान कम हुआ.

संपादकीय

मुद्दों की बजाय आरोप-प्रत्यारोपों का दौर

देश का भाग्य तय करने का काम संसद करती है. संसद का चुनाव हो रहा है लेकिन लोकतंत्र की मजबूती में लोगों की जितनी सहभागिता होनी चाहिए, वह नहीं दिखाई दे रही है.इसके साथ ही इस बात से भी कोई इंकार नहीं कर सकता है कि चुनाव में मुद्दे गायब होते जा रहे हैं और आरोप-प्रत्यारोपों के शोरगुल में देश के प्रमुख मुद्दे ही गौण हो गए हैं. लोकसभा का इस बार का चुनाव दो बातों के लिए सदैव जाना जाएगा, एक तो कई चरणों में चुनाव हो रहा है, दूसरा इस बार के चुनाव मुद्दाविहीन हो गया है. सत्तापक्ष के पास विपक्ष को कोसने और विपक्ष के पास सत्तापक्ष को निकम्मा कहने के अलावा अन्य कोई मुद्दा नहीं दिखाई दे रहा है. वैसे भी देश की आजादी के बाद से वोटों के लिए इस देश में जिस तरह की घटिया राजनीति खेलते हुए कुर्सी के लिए कुछ भी करने की जिस मानसिकता ने नेताओं को तैयार किया है, वही कारण है कि आज देश में तमाम संभावना, क्षमता और अपार शक्ति रहने के बाद भी देश की जितनी प्रगति होनी चाहिए, वह नहीं हो सकी है. आज भी यदा-कदा अगर किसी संसदीय सीट पर 5 लाख बोगस मतदाता मिलते हैं तो यह हमारी मशीनरी की खामी के साथ ही इस बात का भी सबूत कही जानी चाहिए कि यहां सत्ता प्राप्ती के लिए क्या कुछ नहीं किया जाता है. चुनाव में देश की समस्याएं उठाने और उन समस्याओं के निराकरण की बातें होनी चाहिए लेकिन इस बार के चुनाव में देखने में आया है कि यह चुनाव व्यक्ति विशेष केन्द्रीत हो गया है और दोनों ही द्वारा एक-दूसरे पर जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप लगाया जा रहा है, उससे केवल जनता का मनोरंजन हो रहा है. लेकिन संसदीय चुनाव की गंभीरता खत्म होती दिखाई दे रही है. आमतौर पर लहर वाले चुनाव को लेकर अपार उत्साह वाली स्थिति होती है. लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि वर्ष 2024 का लोकसभा का चुनाव मुद्दा विहीन हो गया है. इसका नतीजा केंद्र में भाजपा के पक्ष में लगने से इंकार नहीं किया जा सकता है लेकिन चुनाव के दौरान जिस तरह से नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं, मुद्दे सामने नहीं आ रहे हैं, गरीबी, महंगाई, भुखमरी और बेरोजगारी जैसे मुद्दे गौण हो गए हैं, उसके चलते आगामी समय में चुनाव केवल मनोरंजन का साधन नहीं बन जाए, ऐसा डर लोगों को सताने लगा है. चुनाव आयोग द्वारा चुनाव पर करोड़ों रूपए खर्च किया जाता है. प्रत्याशियों द्वारा निर्धारित से कई गुना अधिक खर्च जीतने के लिए किया जाता है. लेकिन इतना सब होने के बाद भी जिस तरह की सक्रियता चुनाव में दिखाई देनी चाहिए, वह कहीं न कहीं नदारद दिखाई दे रही है, इस पर चिंतन किया जाना चाहिए.

भाजपा द्वारा लोकसभा चुनाव में बेहतरीन नारे दिए गए हैं. 2014 में भाजपा ने अच्छे दिन का नारा दिया था, वह उस दिशा में कुछ करने में और कई ऐसे मुद्दों को हल करने में सफल भी रही है, जिन्हें आजादी के बाद से हमेशा बनाए रखने और उसके नाम पर ही राजनीतिक दुकान चलाने का प्रयास किया गया. लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही सच है कि विभिन्न समस्याएं पूरी तरह से हल हो गई हैं यह नहीं कहा जा सकता है. कल भी भ्रष्टाचार था, गरीब परेशान था और आज भी विभिन्न समस्याओं को लेकर वह परेशान है. चुनाव मुद्दों वाला हो तो ही मजा आता है.

लोकतंत्र के लिए यह चिंतनीय है

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

भारत को विश्व का आदर्श लोकतंत्र माना जाता है. इसके लिए हम सभी भारतवासियों को गर्व होना चाहिए. लेकिन इसके साथ ही लोकतंत्र की मजबूती के सबसे मजबूत माध्यम मतदान को लेकर गिरता प्रतिशत निश्चित ही चिंता का विषय है. लोकतांत्रिक चुनाव में भारतीयों की घटती रूचि निश्चित ही चिंता का विषय है. यह कितने शर्म की बात है कि सरकार गठन में शतप्रतिशत भागीदारी के लिए चुनाव आयोग द्वारा हर तरह की सुविधा करने के बाद भी अगरकई सीटों पर 50 फीसदी अथवा इससे भी कम मतदान हो रहा है, मतदान में एक वर्ग पूरी तरह से सक्रिय है, जबकि दूसरा वर्ग काफी निकम्मा दिखाई दे रहा है तो यह निश्चित ही शर्मिंदगी वाली बात है. देश में लगभग 97 करोड़ के करीब मतदाता हैं, जो चुनाव आयोग में पंजीकृत हैं. अमरावती जिले का ही जहां तक सवाल है तो अगर यहां पर मतदान का प्रतिशत 65 तक भी नहीं पहुंच पाता है तो निश्चित ही यह चिंता की बात है. इस बार तो बुजुर्गों, दिव्यांगों के घर तक टीम जाकर मतदान करने का प्रबंध करने के बाद भी मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ना निश्चित ही चिंता वाली बात है. आखिर पांच साल तक सरकार को कोसने वाले लोगों को मतदान करने में क्यों संकोच होता है, इसका कारण समझ से बाहर है. भारत के मतदाताओं की संख्या अमेरिका की जनसंख्या की करीब तीन गुना और ब्रिटेन की जनसंख्या की लगभग चौदह गुना है. भारत में हर पांच साल में होने वाला चुनाव दुनिया के लिए मिसाल वाला होता है.करोड़ों मतदाताओं को यह तय करना चाहिए कि चुनाव में सक्रियता से भाग लें और यह तय करें कि बेहतरीन सरकार के माध्यम से देश को जवाबदेह सरकार दें. चुनाव में गरीबों का मतदान अधिक रहता है. समाज के कथित सुशिक्षितों की उदासीनता को खत्म करने के लिए कानूनी दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए. वैसे भी हमारे देश में लातों के भूत बातों से नहीं मानते वाली कहावत चरितार्थ होती है. चुनाव के लिए छुट्टी देने के बाद कई कर्मचारी अगर पिकनिक मनाने जाते हैं तो इससे क्या सीख लेनी चाहिए. मतदान में उनकी यह उदासीनता अन्यों को प्रेरित करती है.

राष्ट्र धर्म से बड़ा कुछ नहीं होता है

विदर्भ स्वाभिमान राष्ट्र सुरक्षित तो सब सुरक्षित

मतदान का अधिकार हर भारतीय को प्राप्त ब्रह्मास्त्र जैसा है. पांच साल में एक बार इसके माध्यम से हम बेहतरीन जनप्रतिनिधि का चयन कर बेहतरीन सरकार बनाने की ताकत रखते हैं. सभी को मतदान करते हुए राष्ट्रधर्म तथा जनहित को महत्व देने वालों का साथ देकर अपनी बेहतरीन भूमिका निभानी चाहिए. हर हाल में सभी को मतदान करते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए.

कहते हैं कि वही देश तरक्की करते हैं, जिन देशों में शांति होती है, अस्थिरता नहीं होती है. लेकिन वह देश हमेशा परेशान रहते हैं, जहां अशांति होती है, जिस देश के नागरिक अपने स्वार्थ के लिए देश से गद्दारी करने से बाज नहीं आते हैं. कई ऐसे देशों का उदाहरण दिया जा सकता है कि जहां के नागरिक स्वयं को सुरक्षित नहीं समझते हैं. ऐसे देश हमेंशा पिछड़े होते हैं. वह अपने देश के नागरिकों की रोटी-कपड़ा और मकान की जरूरत भी पूरी नहीं कर पाते हैं. इस बारे में अमरावती के जाने-माने नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. राजेश जवादे का स्पष्ट मत है कि देश की प्रगति तभी होती है जब हर नागरिक का साथ मिलता है, देश की दुर्गति तभी होती है जब देश का हर नागरिक अपने स्वार्थ को देश के विकास से अधिक महत्व देता है. भारत देश महान है. हमारी संस्कृति, आचार-विचार और संस्कार पूरे विश्व में पूज्यनीय कहे जाते हैं. देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था. लेकिन दुर्भाग्य केवल इतना ही है कि देश में मुगलों के प्रवेश के समय भी जयचंद थे और आज भी देश में ऐसों की कमी नहीं है. देश तरक्की कर रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है. लेकिन सभी का साथ जैसा मिलना चाहिए, उस तरह का अगर साथ मिलता तो निश्चित तौर पर देश प्रगति के नए आयाम स्थापित करता था. समूचे विश्व में प्रगति वही राष्ट्र करता है, जहां देश के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठ एवम समर्पित लोग होते हैं.भारतीय लोकतंत्र का सम्मान समूचे विश्व में होता है,यह निश्चित तौर पर हर भारतीय के लिए अभिमान की बात है. राष्ट्र प्रथम वाली मानसिकता को बढ़ावा देने की जरूरत है. हमारे देश में अपार संभावनाएं हैं. पूरे विश्व में सबसे अधिक मेहनती भारत में ही रहते हैं. लेकिन दुर्भाग्य की बात यही है कि यहां योग्यता की बजाय बाकी बातों पर गौर किए जाने से प्रतिभाएं कहीं न कहीं दब जाती हैं.

सभी का साथ मिले

सामाजिक कामों के लिए अभी तक विदर्भ रत्न, अमरावती रत्न सहित दर्जनों पुरस्कार प्राप्त करने वाले और नेत्र शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अपने नाम कई रिकार्ड दर्ज करने वाले डॉ. राजेश जवादे जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. सामाजिक कामों में सदैव योगदान देते हैं. उनका कहना है कि हर व्यक्ति को अपने स्तर से सक्षम होने पर समाज के कमजोर वर्गो, गरीबों के लिए यथाशक्ति कुछ न कुछ करने का प्रयास करना चाहिए. डॉ. जवादे द्वारा स्वयं अभी तक 80 हजार से अधिक मरीजों का मोतियाबिंदु का ऑपरेशन किया गया है. इतना ही नहीं तो गरीबों और दिव्यांगों की नेत्र जांच के साथ ही सदैव यथासंभव मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं. कई सामाजिक संगठनों को भी सामाजिक कामों के लिए सदैव योगदान देने वाले डॉ. राजेश जवादे का कहना है कि सभी के साथ से ही सभी का विकास होता है. जब देश के हर नागरिक का विकास होगा तो देश का विकास स्वयं ही होगा. जिस देश में शांति होती है, वहीं तरक्की होती है. लेकिन जाति,धर्म,पंथ के नाम पर जिस देश में तनाव होता रहता है, वहां कभी तरक्की नहीं हो सकती है. इसलिए देश की तरक्की के लिए सभी का साथ, सहयोग, देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रधर्म प्रथम स्थान पर होने का स्पष्ट मत होना चाहिए. हर नागरिक का समर्पण राष्ट्र को चमकाता है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

हजारों ने दी विधायक राणा को जन्मदिन शुभकामनाएं

घर पर तांता : ज़नता का प्रेम ही मेरे लिए सबसे बड़ी दौलत, सुबह से लेकर रात तक चला सिलसिला

विदर्भ स्वाभिमान,1 मई

अमरावती- डैशिंग नेता के रूप में समूचे राज्य में सुख्यात विधायक रवि राणा का जन्मदिन 28 अप्रैल को सादगी के साथ मनाया गया. सुबह से लेकर रात तक हजारों की संख्या में चहेतों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी राजनीतिक सफलता की कामना की. विधायक रवि राणा ने भी सभी के प्रति आत्मीयता जताते हुए कहा कि उनका आशिर्वाद ही सबसे बड़ी ताकत है. सभी के प्रेम के लिए दिल से कृतज्ञता जताते हुए भविष्य में भी इसी तरह का प्रेम मिलने और सहयोग मिलने का भरोसा जताया.

उनके मुताबिक मेरे जीवन में सदैव जनता का प्यार मिला है, उसकी वजह से ही आज मैं और नवनीत राणा यहां हैं. ऐसे में जनता से बढ़कर मेरे लिए और कोई नहीं हो सकता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस क़ा मार्गदर्शन सदैव उन्हें मिला है. उनके मुताबिक जीवन में सदैव सकारात्मक सोच के साथ जनहित मे किया जाने वाला कार्य कभी बेकार नहीं जाता है. उनके मुताबिक जीवन में अगर आप अच्छा करते हैं तो निश्चित तौर पर आपका कभी बुरा नहीं होता है. सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों ने विधायक रवि राणा

के गंगासावित्री निवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की मंगलमय शुभकामनाएं दी. साथ ही कामना की कि वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों. विधायक रवि राणा संघर्ष से जूझकर स्वयं का न केवल महाराष्ट्र बल्कि दिल्ली में भी स्थान बनाया है. वे पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने स्वयं विधायक रहते हुए पत्नी को सांसद बनाने के साथ ही उन्हें भी राष्ट्रीय राजनीति में चमकाया है. स्वयं सांसद पत्नी नवनीत राणा इस बात को स्वीकार करती हैं और स्वयं को सबसे अधिक भाग्यशाली मानती हैं.

पति को सदैव मार्गदर्शक के साथ ही प्रोत्साहित करने वाले आदर्श पति बताते हुए कहती हैं कि राजनीति में सदैव प्रोत्साहित करने का काम किया है. हर वर्ग के लोगों ने विधायक रवि राणा का स्वागत करते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ रहने की कामना की.

मतदान में पढ़े लिखों पर भारी रहे ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता

विदर्भ स्वाभिमान, 1 मई

अमरावती- लोकसभा क़े अमरावती सीट के चुनाव में शहरी मतदाताओं पर ग्रामीण मतदाता भारी रहे. मेलघाट जैसे क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बेहतरीन रहने से इस बात को बल मिला है कि पढ़े-लिखे लोगों से अच्छे तो अनपढ़ गंवार हैं, जिन्हें लोकतंत्र की मजबूती में मतदान का क्या महत्व होता है, यह अच्छे से समझ में आया. शहरी क्षेतर के मतदाता इस मामले में फिसड्डी साबित हुए. अमरावती व बडनेरा विधानसभा सीट से लगभग 2.96 लाख मतदाताओं द्वारा मतदान नहीं किया गया. मेलघाट में सबसे अधिक मतदाताओं ने मतदान करते हुए साबित किया कि वे पढ़े-लिखों से अच्छे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

प्रतापगढ़ लोकसभा सीट बनी हॉट सीट, मायावती ने भाजपा नेता के बेटे को उतारा

विदर्भ स्वाभिमान,1 मई

प्रतापगढ़-मायावती ने यूपी की प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से बीजेपी नेता के बेटे को उम्मीदवार बनाकर सियासी पारा चढ़ा दिया है. यहां से चुनाव मैदान में उतारे गए प्रथमेश मिश्रा जहां सुख्यात सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकील हैं, वहीं सामाजिक कामों में भी वे सदैव सक्रिय रहते हैं. उनके माता-पिता राजाभैया के खिलाफ कुंडा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतर चुके हैं. उनके मैदान में उतरने से प्रतापगढ लोकसभा सीट पर सभी की निगाहें लग गई हैं.

बसपा ने इस सीट से बीजेपी नेता शिव प्रकाश मिश्रा उर्फ सेनानी के बेटे प्रथमेश मिश्रा को टिकट दिया है. शिव प्रकाश मिश्रा सालों से बीजेपी के सक्रिय नेता हैं. वे कौशांबी लोकसभा सीट के प्रभारी भी हैं. शिव प्रकाश और उनकी पत्नी कुंडा से राजा भैया के खिलाफ विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुकी हैं. शिव प्रकाश सेनानी ने 2007 और 2012 में कुंडा विधानसभा से चुनाव लड़ा था. इससे पहले वह 2004 में बसपा से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके है. सेनानी की पत्नी सिंधुजा मिश्रा 2022 विधानसभा का चुनाव राजा भैया के खिलाफ लड़ चुकी है. सभी चुनावों में शिव प्रकाश सेनानी और सिंधुजा को हार का सामना करना पड़ा है. अब इनका बेटे प्रथमेश मिश्रा चुनाव मैदान में हैं. मायावती द्वारा उन्हें मैदान में उतारने को लेकर इस

राजा भैया के खिलाफ विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं मिश्रा दम्पति बेटे प्रथमेश मिश्रा को अब लोकसभा में उतारा मैदान पर

सीट की चुनौती जहां बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर प्रतापगढ़ में प्रथमेश मिश्रा की चुनौती को लेकर भी मजेदार चर्चाएं की जा रही हैं.

कौन हैं प्रथमेश मिश्रा

प्रथमेश मिश्रा का जन्म 1990 में प्रतापगढ़ में हुआ. उन्होंने बीए और एलएलबी तक पढ़ाई की है. वह सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं. इसके अलावा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. बसपा से चुनाव लड़ने पर शिव प्रकाश ने कहा कि बेटा स्वतंत्र है. हम बीजेपी के लिए काम करेंगे.बेटे द्वारा बसपा से चुनाव मैदान में उतरने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह और उनकी पत्नी भाजपा के लिए काम करते रहेंगे. बेटा अपना फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है, ऐसे में इस बारे में वे कुछ नहीं कहना चाहते हैं.´ सेनानी ने कहा कि वह और उनकी पत्नी बीजेपी के लिए काम करते रहेंगे. दूसरी ओर, बीजेपी जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है. मार्गदर्शन की प्रतीक्षा है.

सपा से राजनीतिक करियर क़ी शुरुवात-प्रथमेश के पिता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत सपा से की थी. वर्ष 2000 में उन्होंने राजा भैया के रिश्तेदार अक्षय प्रताप उर्फ गोपाल के खिलाफ चुनाव लड़ा था. इसमें उनको हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद उन्होंने बसपा का दामन थाम लिया. 2004 में सेनानी बसपा में शामिल हुए. उन्होंने कुंडा विधानसभा सीट से पहली बार राजा भैया के खिलाफ चुनाव लड़ा. राजा भैया को 73732 वोट मिले, जबकि सेनानी को 20604 वोट पाकर ही संतोष करना पड़ा.चुनाव में हारने के बाद भी राजा भैया के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरने के कारण मीडिया का उन्हों ने जबर्दस्त ध्यान खींचा था.2012 के विधानसभा चुनाव में दूसरी बार सेनानी ने कुंडा सीट से राजा भैया के खिलाफ चुनावी ताल ठोकी. राजा भैया ने 1,11,392 वोट पाकर भारी मतों से जीत दर्ज की. वहीं, सेनानी 23137 वोट पाकर दूसरी बार चुनावी मैदान में हार गए. 2022 के विधानसभा चुनाव में सेनानी की पत्नी सिंधुजा मिश्रा राजा भैया के खिलाफ चुनाव मैदान में थी. उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा था.बेटे के लोकसभा में खड़ा होने से मिश्रा परिवार फिर एक बार चर्चाओं में आ गया है.

किसी भी हाल में चूकता नहीं गलत काम

पं.प्रदीप मिश्रा की अचलपुर में कथा को लेकर अपार उत्साह, सभी तैयारियां तेजी से जारी

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

बुराई से बुराई,अच्छाई से अच्छाई बढ़ती

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जिस तरह काले कमरे में जाने के बाद काला लगना तय है, उसी तरह जीवन में बुराई करने पर बुराई ही बढ़ती है. लेकिन जब हम अच्छाई का साथ देते हैं तो निश्चित तौर पर अच्छाई बढ़ती है. प्रेम, सम्मान और अच्छी सोच ही जीवन में आपको लोगों के दिलों में स्थान देती है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारे जीवन में कई बदलाव आते हैं और अच्छाई स्वयं को बढ़ाने का काम करती है. लेकिन जब बुराई सोचते हैं तो वह बढ़ती है और सदैव बर्बादी का कारण बन जाती है. इसलिए अच्छा सोचें और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करें.

भोले भक्तों का यहां उमड़ेगा सैलाब

अचलपुर- तहसील में जयस्वाल बंधुओं द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में भक्तों का अपार सैलाब उमड़ने की संभावना के मद्देनजर आयोजकों के साथ ही प्रशासन द्वारा भी सभी तैयारियां की जा रही हैं. अब कथा को केवल 5 दिन ही बचा है. मंडप का काम लगभग पूरा होने की जानकारी प्रकाश जयस्वाल के साथ ओमप्रकाश जयस्वाल ने दी. साथ ही इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग मिलने की जानकारी दी. उनके मुताबिक हर वर्ग का सहयोग इस धार्मिक आयोजन को मिल रहा है. सभी के सहयोग से यहां होने वाली शिव महापुराण कथा को अभूतपूर्व बनाने का प्रयास किया जा रहा है. कथा के मददेनजर प्रशासन भी तैयारियां में लगा है. अभी तक चुनावी भागदौड़ के कारण प्रशासन पूरा ध्यान नहीं दे पा रहा था लेकिन अमरावती का चुनाव खत्म होने तथा मतगणना को काफी समय रहने के कारण प्रशासन भी अब तैयारियों में सहयोग दे रहा है. पार्किंग से लेकर समय-समय पर अन्य व्यवस्थाओं के बारे में प्रशासन द्वारा भी मार्गदर्शन किया जाता है.कथा को लेकर लोगों में अपार उत्साह है. इस कथा को सुनने के लिए अमरावती संभाग के साथ ही समूचे विदर्भ और राज्यभर से भक्तों के उमड़ने की संभावना के चलते सभी तैयारियां की जा रही हैं. कथा के आयोजकों के मुताबिक अपनों की याद में उन्हों ने यह आयोजन किया है. इसमें सभी का सहयोग और साथ मिल रहा है. कथा के उपलक्ष्य में रविवार 5 मई को महिलाओं की भव्य कलशयात्रा का आयोजन किया गया है. इसमें हजारों की संख्या में महिलाएँ शामिल हों गी. हर मामले का बेहतरीन नियोजन किया जा रहा है.

सेवाभाव, भक्तिभाव, समाजसेव के संगम हैं लप्पीभैया

युवाओं को व्यसन मुक्त करने का उठाया बीड़ा, राज्यभर में जारी हैं श्रीमद् भागवत कथाएं

विदर्भ स्वाभिमान, 1 मई

अमरावती- शहर ही नहीं तो राज्यस्तर के जाने-माने समाजसेवी और धर्म सेवा, समाजसेवा के साथ ही युवाओं को निर्व्यसनी बनाने के तिहरे उद्देश्य पर सेवारत रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया को तीनों का संगम कहा जाता है. एक ओर जहां वे शहर में धार्मिक सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने राज्य के युवाओं में बढ़ते व्यसन को ध्यान में रखते हुए युवाओं को व्यसन से मुक्त करने के लिए राज्यस्तर पर जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है. इस कड़ी में पूरे राज्य में 108 भागवत कथाओं का सिलसिला शुरू है. इसमें से अभी तक 48 कथाएं विभिन्न गांवों में हो चुकी हैं. इतना ही नहीं तो हजारों की संख्या में युवाओं ने व्यसन से तौबा करने का संकल्प किया. हर कार्यक्रम में शानदार प्रतिसाद मिल रहा है. इसके चलते लप्पीभैया में अपार हर्ष है. उनका कहना है कि व्यसन ने आज युवा पीढ़ी को खोखला कर दिया है. व्यसन के कारण घरों में तनाव वाली स्थिति है. इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने व्यसन मुक्ति अभियान छेड़ दिया है. राज्य के लाखों युवाओं को व्यसनों से मुक्त कराने तथा संस्कारों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति और संस्कारों को प्रोत्साहित करने के लिए देश में पहली बार किसी समाजसेवक द्वारा राज्यभर में 108 कथाओं का आयोजन किया गया है. सुख्यात समाजसेवी और पतंजलि के राष्ट्रीय पदाधिकारी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के इस प्रयास की सराहना की जा रही है. इस कड़ी में 108 में से 48वीं कथा हाल ही में सम्पन्न हुई. हर कथा में कथा प्रवक्ता द्वारा भारतीय संस्कृति, संस्कारों को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी को व्यसनों से दूर रहने की सीख दी जा रही है. राज्यस्तर पर इस आयोजन की सराहना के साथ ही संस्था की भी सराहना की जा रही है.

राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था और श्री हरि कृपा फाउंडेशन द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया था. राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था के मुख्य चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया) ने 108 कथा का संकल्प लिया था. जिसकी कथाएं पूरे महाराष्ट्र भर में चल रही है और 48वी कथा हो चुकी है. इस कथाओं का उद्देश्य यह है युवा पीढ़ी को नशा मुक्ति करना सनातन हिंदू धर्म के बारे में जागृत करना. इस कथा के कथा वाचक आत्मतत्वदास प्रभु थे और अवधूती भजनी मंडल वह गाजीपुर के हरिप्रेमी का विशेष रूप से सहयोग रहा है. इस कथा में समस्त गांव वासियों के लिए शोभायात्रा, हरि भजन और महाप्रसाद जी का आयोजन किया गया था.

इस कथा में विशेष रूप से पांडुरंग जी महाराज, विनोद भोयर, स्वाती महल्ले. प्रतीक्षा महल्ले. सुरक्षा महल्ले. पियूष महल्ले. मुरलीधर राव महल्ले. संतोष राव महल्ले. किशोर राव महल्ले. सुलभाताई महल्ले, ललीता ताई महल्ले, ज्योती ताई महल्ले, पियूष संतोष महल्ले, स्वाती, प्रतिक्षा, सुरक्षा, श्री संतोषराव महल्ले के साथ ही सभी कथाओं में सीधे ग्रामवासियों का सहयोग मिलता है. इतना ही नहीं तो कथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य की न केवल महाराष्ट्र बल्कि समूचे देश में सराहना हो रही है. सामाजिक सेवा के साथ धार्मिक सेवा को सराहा जा रहा.

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

रक्तदान क्षेत्र के नायक हैं डा.चंद्रभान दारा

जन्मदिन पर विशेष, हजारों रक्तदाताओं को किया रक्तदान के लिए प्रोत्साहित, सादगी दिल जीतती है

शहर की कई हस्तियों ने अमरावती को गौरवान्वित करने का काम किया है. उन्होंने अपने कार्यों से जहां लाखों को राहत दी है, वहीं अमरावती को नए-नए क्षेत्रों में सम्मानजनक स्थान दिया है. रक्तदान के क्षेत्र में आज अमरावती को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन शहर के रूप में माना जाता है. इसके लिए नायक की भूमिका डॉ. चंद्रभान दारा की रही है. शहर में पहली बालाजी ब्लड बैंक खोलकर इस क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने का काम उन्होंने किया. आज बेटों ने इस आदर्श सिलसिले को बढ़ाया है, यह पहली ब्लड बैंक है, जिसने रक्तदान के क्षेत्र को व्यावसायिक के साथ ही सामाजिक सेवा के रूप में भी जोड़ने का काम किया है. बेटा मनीष जहां सामाजिक कार्यों से जुड़ा है, वहीं बड़ा बेटा डॉ. रवि दारा के साथ ही बहुएं भी डाक्टर हैं और सामाजिक कामों में पूरी तरह से यह परिवार डॉ. चंद्रभान दारा के आदर्शों पर चलते हुए सेवाभाव लिए काम कर रहा है, इसकी सराहना सभी करते हैं.

शहर ही नहीं तो रक्तदान के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से सेवारत डा.चंद्रभान दारा जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान हैं. अमरावती में

विदर्भ स्वाभिमान

रक्तदान के लिए जहां उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया है, वहीं दूसरी ओर सदैव सेवाभाव से काम करते हुए सेवाभाव का गौरव बढ़ाया है. स्वभाव से जहां उनमें सादगी दिखाई देती हैं, वही मुंबई के बाद विदर्भ में पहली रक्तपेढ़ी और रक्तघटक प्रयोगशाला की स्थापना कर मानवता की बहुत बड़ी सेवा का कार्य भी किया है. 15 अगस्त 1996 को उन्होंने रक्त संकलन और रक्त के घटक की जांच कर मरीजों को जीवनदान देने के उददेश्य से अंबापेठ में बालाजी ब्लड बैंक एवं ब्लड कम्पोनेंट लैब की स्थापना की. डा.दारा विदर्भ में रक्त प्रौद्योगीकी के पितामह के रूप में स्थान रखते हैं. इतना ही नहीं तो अभी तक लाखों मरीजों को रक्त की आपूर्ति करते हुए जीवनदान देने का पवित्र कार्य डा.चंद्रभान दारा ने किया है. अमरावती में लगभग 5 दशक से वे अपनी बेहतरीन सेवाएं दें रहे हैं. पिता के ही कदमों पर चलते हुए पुत्र मनीष दारा तथा डा.रवि दारा चल रहे हैं. डॉ.रवि दारा जहां महाराष्ट्र में पहले ब्लड ट्रांसफ्यूजन के एमडी हैं, वहीं लायन्स सहित विभिन्न समाजसेवी संगठनों से जुड़कर मनीष दारा पिता का नाम रोशन कर रहे हैं. डा.चंद्रभान दारा संवेदनशील व्यक्ति हैं. रक्त संकलन के क्षेत्र में 5 दशक से सेवाएं दें रहे हैं. 1975 से 1996 तक उन्होंने जिला सामान्य अस्पताल इविग्न में रक्तपेढ़ी के प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दी.वहां सेवा के दौरान रक्तदान को लेकर बैठी भांतियों को दूर करते हुए युवाओं को रक्तदान के लिए जहां प्रेरित किया, वहीं इसके लिए उन्हें अभी तक कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं. 1990 में रक्तदान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए तत्कालीन संभागीय आयुक्त सुधाकर जोशी एवं स्वास्थ्य संचालक डा.बाल पांडे ने उन्हें सम्मानित किया. 1996 में जब बालाजी ब्लड बैंक की स्थापना उन्होंने की उस समय समूचे विदर्भ में यह अपनी तरह की मुंबई के बाद पहली प्रयोगशाला थी. डा.चंद्रभान दारा को इस बात का संतोष है कि रक्त के अभाव में गंभीर होने वाले एवं कई बार मरनेवाले लाखों लोगों को बचाने में उनका योगदान दे सके.गरीब एवं जरूरतमद मरीजों की मदद की भावना को अपने लिए सबसे बड़ा आर्शीवाद मानते हैं.डा.चंद्रभान दारा भगवान बालाजी के अनन्य भक्त हैं. यही काराण है कि जयस्तंभ चौक स्थित व्यंकटेश धाम में जहां वे दर्शनार्थ जाते हैं, वहीं अपने स्वास्थ्य को लेकर भी सजग रहते है. सालभर तैराकी करते रहे हैं.दोनों बेटे डाक्टर रवि और मनीष भी सेवाभावी कामों में सदैव लगे रहते है.सेवा के साथ ही भक्तीभाव से ओतप्रोत रहने वाले दारा परिवार को आदर्श परिवार के रूप में सिंधी समाज में माना जाता है. संघर्ष में तपकर यह सोना होनवे के बाद भी सामाजिक दायित्व निभाने में सदैव अग्रणी रहते हैं. आदर्श पुत्र, पिता, पति की सभी भूमिकाएं उन्होंने बेहतरीन तरीके से निभाई है. दोनों बेटे, बेटी के साथ ही उनके परिवार में छह डाक्टर उनकी तपस्या का फल नहीं तो और क्या है. सादगी इतनी कि कोई यह बता नहीं सकता है कि वे इतने बड़े डाक्टरऔर अमरावती शहर को रक्तदान के क्षेत्र में सम्मान दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्तित्व हैं. पिता की तरह ही दोनों बेटों की सादगी, समाजसेवा का व्रत निरंतर जारी है. मनीष दारा समर्पित सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. डा.चंद्रभान दारा क़ो जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की कोटिशः हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, श्री गोविंदा के चरणों में यही कामना.

पिताजी का आदर्श ही सब कुछ-मनीष दारा

पिता डॉ. चंद्रभान दारा के संघर्षों को बताते हुए पुत्र मनीष दारा कहते हैं कि बालाजी ब्लड बैंक ने सदैव सामाजिक दायित्व को भी प्रमुखता से स्थान दिया है. यही कारण है कि आज रक्तदान के क्षेत्र में विश्वसनीय, सेवाभावी ब्लड बैं क के रूप में इसकी ख्याति समूचे महाराष्ट्र में है. पिताजी के आदर्श विचार, उनके सेवाभाव को ही जपने का काम किया जा रहा है और सदैव किया जाता रहेगा. हजारों रक्तदाताओं को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों को समय पर ब्लड दिलाने में सदैव अग्रणी रहता है.युवा रक्तदाताओं को सहयोग मिलने का जिक्र वे सदैव करते हैं.

मुझे अपनी जीत का है पूरा भरोसा,सभी का साथ-बलवंत वानखडे

अमरावती- लोकसभा चुनाव में जिस तरह से हर वर्ग के लोगों का सहयोगी पार्टियों और मित्रों का साथ मिला है, उसके चलते मुझे लोकसभा चुनाव में मेरी जीत का मुझे भरोसा है. इस आशय का विश्वासपूर्ण मत कांग्रेस के नेता और प्रत्याशी बलवंतराव वानखडे ने जताया. उनके मुताबिक सर्वधर्म समभाव के महत्व को लोगों ने समझते हुए जिस तरह से उन्हें अपार प्रेम दिया है, विश्वास जताया है, उसके चलते उनकी जीत का उन्हें पूरा भरोसा है. आज देश में सांप्रदायिक ताकतें बढ़ रही हैं, इन्हें समय रहते रोकना जरूरी है. यह बात लोगों को ध्यान में आ रही है. राष्ट्रीय एकता के साथ ही विकास और सभी को न्याय दिलाने का महान कार्य भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने किया है . देश में आज लोगों में जागरूकता आयी है और सभी यह समझ रहे हैं कि कांग्रेस ही देश को बेहतरीन तरीके से तथा सभी को साथ लेकर विकास के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है. विधायक बलवंत वानखडे विवादों से दूर रहने वाले नेता हैं. उनके मुताबिक उनके

चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्हों ने राष्ट्र के समक्ष खड़ी चुनौती को ही मुद्दा बनाया था. आरोप-प्रत्यारोपों से सदैव दूर रहने वाले बलवंत वानखडे के मुताबिक ग्रामीण के साथ ही शहरी मतदाताओं ने भी उन्हें व्यापक रूप से साथ दिया है. हर वर्ग के लोगों ने उन्हें सहयोग किया है. इससे उन्हें अपनी जीत का भरोसा है. साथ ही विश्वास जताया कि सफलता मिलने पर जिले में विकास की गंगा बहाने के प्रयास के साथ ही सभी के सहयोग से जिले के सर्वां गीण विकास के लिए दिल्ली में आवाज उठाएंगे.

सर्वधर्म की जरूरत

कांग्रेसी नेता ने कहा कि भारत विभिन्नता में एकता का सबूत राष्ट्र हैं. यहां सभी के सहयोग से ही देश विकास के इस मुकाम तक पहुंचा है. जाति-धर्म की बजाय देश को पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए. सर्वधर्म समभाव ही देश को विकास की राह पर अग्रणी करेगा. जाति,धर्म, पंथ की बजाय सभी के सहयोग से ही देश महान बनने की बात कही. साथ ही मतदान करने वाले सभी मतदाताओं के प्रति कृतज्ञता जताते हुए विश्वास जताया कि वे निश्चित तौर पर जीत हासिल करेंगे. पूर्व पालकमंत्री एड.यशोमति ठाकुर सहित सभी कांग्रेसी और सहयोगी पार्टी के नेताओं का धन्यवाद दिया और पार्टी की नीतियों पर सदैव चलने का विश्वास दिलाया. जनता के प्रेम के लिए उनके प्रति भी कृतज्ञता जताते हुए कहा कि सब कुछ उसका ही आशिर्वाद है.

सहयोगियों ने भी किया जी-जान से सहयोग,लोगों का मिला साथ

क़ांग्रेसी नेता और समर्पित व्यक्तित्व बलवंतराव वानखडे के मुताबिक इस चुनाव में सभी सहयोगियों के साथ ही समाज के सभी वर्गों का उन्हें साथ मिला. वे जब जिप सदस्य थे तो विधायक की टिकट मिली और अभी भी विधायक हैं तो उन्हें सांसद के रूप में कांग्रेस द्वारा मैदान में उतारा गया. ऐसा संयोग संभवतः उनके ही मामले में आया है. लोगों के प्यार को वे अपनी सबसे बड़ी दौलत और कांग्रेस नेतृत्व को मार्गदर्शक मानते हैं.

सकारात्मक सोच का जीवन में होता है अहम महत्व

विदर्भ स्वाभिमान

प्रा. मोहन पुरोहित हैं आदर्श विचारों वाले व्यक्ति, सेवाभाव में रहते हैं अग्रणी

जीवन प्रभु का दिया गया अनमोल उपहार ही माना जाना चाहिए. लेकिन जीवन में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जिन्हें लोगों का अपार प्रेम मिलता है. सेवाभाव की भावना जीवन में जब कायम रहती है तो लोगों का प्रेम मिलता ही है. ऐसे ही लोगों में शुमार है विदर्भ के सुख्यात ब्रिजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय से बतौर प्राध्यापक सेवानिवृत्त और इसके बाद भी शिक्षा की सेवा में विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से लगातार सेवारत रहने वाले अंबापेठ निवासी प्रा. मोहन पुरोहित सर का. सेवानिवृत्ती के बाद भी शिक्षा के आदर्श को कायम रखते हुए आज भी छात्रों को मार्गदर्शन देने के साथ ही इस दिशा में सदैव प्रयास करने वाले प्रा. मोहन पुरोहित की सादगी और उनका स्वभाव किसी को भी प्रभावित करता है. वे कहते हैं कि दिल से किया गया कोई काम कभी विफल नहीं होता है. युवाओं को माता-पिता की सेवा करने के साथ ही आदर्श आचार-विचार और संस्कारों के साथ ही मेहनत की तैयारी रखने की सलाह देते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में दिल से किया गया कोई भी काम कभी फेल नहीं होता है. अंबापेठ निवासी प्रा. पुरोहित की दिनचर्या और स्वास्थ्य फिटनेस युवाओं के लिए लेने लायक है. सुबह की सैर के अलावा आज भी स्वयं को व्यस्त रखते हैं. उनका 7 मई को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.ज़ीवन में जीवन संगिनी के साथ के साथ ही पिता के ही आदर्श पर चलने वाले बेटे ने भी शानदार सफलता प्राप्त कर पिता का नाम चमकाया है.

जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामयाब रहेंगे. जीवन में जितना हो सके, सदैव अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए. अगर अच्छा नहीं हो तो बुरा करने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए. इस आशय की सीख विदर्भ के शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक और सामाजिक, शैक्षिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले प्रा. मोहन पुरोहित ने दी है.

सम्पन्नता में भी विनम्रता की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर सादगी और आत्मीयता कूट-कूटकर भरी है. प्राध्यापक रहते समयगरीब तथा जरूरतमंद छात्रों को सर जहां सदैव मदद देते थे, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्ति के बाद भी सेवा का उनका यह व्रत जारी है. जीवन में माता-पिता को अत्याधिक महत्व देने वाले प्रा.मोहन पुरोहित सर शिक्षा के क्षेत्र में राज्यस्तर पर सुख्यात हैं. लेकिन उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है. अंबापेठ निवासी सर की दिनचर्या आज भी व्यस्त रहती है. सुबह उठने के बाद मार्निंग वॉक के अलावा साफ-सफाई को लेकर अत्याधिक सतर्क रहते हैं. जीवन में पति की सेवा के साथ ही आदर्श पत्नी के रूप में जहां मैडम का साथ रहता है, वहीं पुत्र भी उच्च शिक्षित हैं. प्रा. पुरोहित स्वयं भी सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए. माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले प्रा. मोहन पुरोहित सर का 7 मई को जन्मदिन है. सर को जन्मदिन की करोड़ों शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान टीम

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.इसके लिए यह किताब जल्द से जल्द खरीदें और माता-पिता सेवा का असर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच को भव्य प्रतिसाद,महिलाएं करा रही हैं पंजीयन

अमरावती- सदैव हटकर करने में विश्वास रखने वाले विदर्भ स्वाभिमान द्वारा महिलाओं को समुचित मार्गदर्शन, रोजगार मार्गदर्शन के साथ ही महिलाओं की समस्याओं को उठाने के लिए गठित विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच को महिलाओं का जबर्दस्त प्रतिसाद मिल रहा है. स्वयं होकर महिलाएं इसमें शामिल होने के लिए आगे आ रही हैं. महिलाओं को खुशियां बांटने के साथ ही उन्हें विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन देने के साथ ही उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस मंच का गठन किया गया है. अभी तक डाक्टर, सेवाभावी महिलाओं द्वारा इसमें पंजीयन कराते हुए शामिल हो रही हैं. मई में 15 मई तक पंजीयन का अभियान चलाया जाएगा. सामाजिक कामों में उत्साही रहने वाली महिलाओं से इसकी सदस्यता प्राप्त करने का आग्रह मंच द्वारा किया जा रहा है. मंच के माध्यम से आदर्श आचार-विचार,संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ ही संयुक्त परिवार और माता-पिता की सेवा को सदैव बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

भक्तिभाव,सेवाभाव दिलाता है जीवन में सदैव कामयाबी

समाजसेवी मनोज चौरे ने जन्मदिन पर दिया साक्षात्कार

कहा-जितना बन पड़े सभी को सामाजिक सेवा में योगदान देना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान,1 मई

अमरावती- जीवन प्रभु का दिया गया बेहतरीन उपहार है, ऐसे में हर व्यक्ति को केवल अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी जीने और सामाजिक कामों में भी योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. आचार-विचार और संस्कार व्यक्ति के जीवन को सदैव आगे बढ़ाने का काम करते हैं. इसलिए हमें माता-पिता का सम्मान करने के साथ ही हमारे बच्चों को भी सदैव बड़ों का सम्मान और छोटों को प्रेम देने की सीख देनी चाहिए. भक्तिभाव और सेवाभाव व्यक्ति को सदैव आगे बढ़ाता है. इसलिए सदैव जितना संभव हो, अपने कामकाज के अलावा सामाजिक,धार्मिक कामों में भी योगदान देना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन सुख्यात युवा समाजसेवक, श्री केशरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष के साथ कई संगठनों से जुड़े मनोज चौरे ने किया. उनके मुताबिक सामाजिक दायित्व की भावना ही व्यक्ति को सदैव अच्छा करने की प्रेरणा देती है. अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए मनोज चौरे ने बताया कि पार्वतीनगर तथा क्षेत्र में भी सामाजिक तथा धार्मिक

कार्यक्रमों के मामले में उनका निरंतर प्रयास रहता है. धार्मिकता के साथ ही सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले मनोज चौरे के संबंध भाजपा के साथ ही विधायक रवि राणा तथा अन्य नेताओं से करीबी रहने के बाद भी इसका उपयोग सदैव जनहित में ही करते हैं. अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्रीक्षेत्र कोंडेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में भी समाजसेवा की भावना रही है. इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों का सत्कार करने और महाप्रसाद का कार्यक्रम रखा है. इस दिन हजारों लोगों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दी जाएंगी.

उनके मुताबिक लोगों का विश्वास और प्रेम उन्हें सदैव मिला है, इसे वे अपनी सबसे बड़ी दौलत मानते हैं. लोगों ने जो विश्वास जताया है, उसे पूरा करने का प्रयास करते हैं. वे कहते हैं कि राजनीति केवल चुनाव तक होनी चाहिए. सफलतम व्यवसायी के साथ ही समाजसेवा, धार्मिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले मनोज चौरे का कहना है कि शहर की शानदार विरासत है. मतदान के मामले में वे कहते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती में सभी का सक्रिय सहभाग चाहिए. लेकिन आज जितना मतदान का प्रतिशत होना चाहिए, उतना नहीं है. सरकार को पांच साल कोसने की बजाय अगर सभी मतदान में प्रत्यक्ष हिस्सा लें तो अच्छे लोग चुने जाएंगे और यह अच्छी सरकार बनाएंगे. मतदान एक अधिकार हैं लेकिन इस अधिकार के महत्व को आज भी अगर हम नहीं समझ सकें हैं तो निश्चित ही चिंता वाली बात है. मनोज चौरे को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन पर उन्हें असंख्य मित्र परिवार की ढेरों शुभकामनाएं.उनकी सभी मनोकामनाएं हनुमानजी पूरी करें, वे लगातार आगे बढ़ते रहें, यही शुभकामनाएं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी

कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

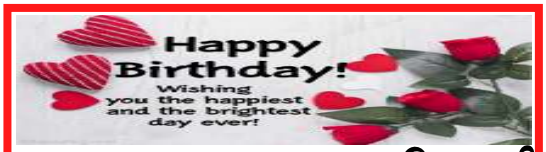

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

यारों के दिलदार यार, सफल व्यवसायी, समाजसेवी तथा धार्मिक कार्यों में अग्रणी हमारे मित्र तथा मदद कार्य में भी अग्रणी रहने वाले

मनोजभाऊ चौरे

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं

-शुभेच्छुक -

मनोजभाऊ चौरे मित्र परिवार, श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था, विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती.

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

ज़ीवन में जिन लोगों को गरीबी से तेजी से आगे बढ़ाते हुए प्रभु ने इस लायक समर्थ किया है कि वे स्वयं के साथ ही समाज के किसी दबे-कुचले व्यक्ति की भी मदद कर सकें, ऐसे लोगों को यह करने का प्रयास करना चाहिए. वैसे भी हमारी कमाई जब अच्छे कामों में लगती है तो प्रभु की कृपा के साथ ही बरकत भी बनी रहती है. देने वाले को प्रभु देने में जैसे कमी नहीं करते हैं, वैसे ही केवल लेने की मानसिकता वाले को भी बिना झटका दिए नहीं रहते हैं. इसलिए कोशिश करें कि हम अपने साथ ही अन्यों के लिए भी कितना जी पाते हैं, बड़ा आनंद मिलेगा.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

ज़ो इन्सान के रूप में पैदा होने के बाद भी पशुवत जीना जीता है, उसे इन्सान नहीं कहा जा सकता है. जो पैदा होने के बाद केवल स्वयं के लिए जीता है, उसे इन्सान नहीं कहा जा सकता है. केवल पैसे से ही मदद नहीं होती है अगर मन में भाव हो तो व्यक्ति हर तरह से किसी की भी मदद कर सकता है. मदद का दायरा व्यापक होता है. किसी दिव्यांग, किसी बुजुर्ग की मदद भी मानवता का कार्य होता है. इसलिए जब मौका मिले तो करते रहना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com